



Literacy for a Billion

Movie: Bazaar (1982)

Year: 1982

Song: Phir Chhidi Raat Baat

Lyricist: Makhdoom Mohiuddin

फिर छिड़ी रात
बात फूलों की
फिर छिड़ी रात
बात फूलों की
रात है या बरात
फूलों की
रात है या बरात
फूलों की
फूल के हार
फूल के गज़रे
फूल के हार
फूल के गज़रे
शाम फूलों की
रात फूलों की
शाम फूलों की
रात फूलों की
फिर छिड़ी रात
बात फूलों की
आपका साथ-साथ फूलों का
आपका साथ-साथ फूलों का

आपकी बात-बात फूलों की
आपकी बात-बात फूलों की
फिर छिड़ी रात
बात फूलों की
नज़रें मिलती हैं
जाम मिलते हैं
नज़रें मिलती हैं
जाम मिलते हैं
मिल रही है हयात फूलों की
मिल रही है हयात फूलों की
फिर छिड़ी रात
बात फूलों की
ये महकती हुई गज़ल मखदूम
ये महकती हुई गज़ल मखदूम
जैसे सेहरा में रात फूलों की
जैसे सेहरा में रात फूलों की
फिर छिड़ी रात
बात फूलों की
रात है या बरात
फूलों की

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.